ISSN: 2249-7196
IJMRR/Nov. 2024/ Volume 14/Issue 9/88-95
कुसुम कीर / International Journal of Management Research & Review

सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र की कम्पनियों का वित्तीय निष्पादन का तुलनात्मक अध्ययन

(भारतीय जीवन बीमा निगम एवं बजाज एलांज़ लिमिटेड के विशेष सन्दर्भ में)

सत्र 2022-23 एवं 2023-24

1 कुसुम कीर, शोधार्थी, बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल
2 डॉ एस एस विजयवर्गीय, उच्च शिक्षा उतकृष्टता संस्थान, भोपाल
E-mail: keer.kusum255@gmail.com

शोध सारांश

यह शोध पत्र सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र की बीमा कंपनियों के वित्तीय निष्पादन का तुलनात्मक अध्ययन प्रस्तुत करता है, विशेष रूप से **भारतीय जीवन बीमा निगम (LIC)** और **बजाज आलियांज लाइफ इंश्योरेंस कंपनी (BALIC)** के संदर्भ में वित्तीय वर्ष 2022-23 एवं 2023-24 को ध्यान में रखते हुए। भारत में जीवन बीमा उद्योग वित्तीय समावेशन और सामाजिक सुरक्षा का एक प्रमुख साधन है। अध्ययन का उद्देश्य दोनों कंपनियों के वित्तीय प्रदर्शन का विश्लेषण करना तथा सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र की रणनीतियों में अंतर स्पष्ट करना है।शोध में द्वितीयक आँकड़ों का उपयोग किया गया है, जो वार्षिक रिपोर्ट्स, IRDAI प्रकाशनों तथा पूर्ववर्ती शोध कार्यों से प्राप्त हुए। विश्लेषण हेतु प्रमुख मापदंड – **प्रीमियम आय, एसेट अंडर मैनेजमेंट (AUM), लाभप्रदता (PAT, VNB), क्लेम सेटलमेंट रेशियो तथा सॉल्वेंसी रेशियो** – का तुलनात्मक अध्ययन किया गया। अध्ययन से स्पष्ट हुआ कि LIC का प्रीमियम आकार विशाल होने के बावजूद इसकी वृद्धि दर 0.23% पर स्थिर है, जबकि निजी कंपनियों ने 15% से अधिक की वृद्धि दर्ज की। LIC का AUM ₹43.97 लाख करोड़ के साथ सबसे बड़ा है, परंतु BALIC जैसी निजी कंपनियों का AUM तेजी से बढ़ रहा है। सॉल्वेंसी रेशियो में BALIC (432%) LIC (190%) से कहीं आगे है, जो निजी क्षेत्र की वित्तीय सुदृढ़ता को दर्शाता है।

मुख्य शब्द - जीवन बीमा, भारतीय जीवन बीमा निगम)LIC), बजाज आलियांज लाइफ इंश्योरेंस)BALIC), प्रीमियम आय, एसेट अंडर मैनेजमेंट)AUM), सॉल्वेंसी रेशियो, लाभप्रदता , क्लेम सेटलमेंट रेशियो, वित्तीय निष्पादन, सार्वजनिक क्षेत्र, निजी क्षेत्र, तुलनात्मक अध्ययन, बीमा उद्योग, वित्तीय समावेशन

1. परिचय

भारत में जीवन बीमा क्षेत्र वित्तीय समावेशन, सामाजिक सुरक्षा और निवेश का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों में भारतीय जीवन बीमा निगम (LIC) सबसे बड़ी और पारंपरिक

संस्था है, जबकि निजी क्षेत्र में बजाज एलांज़ लाइफ़ इंश्योरेंस (BALIC) नवाचार और ग्राहक-केंद्रित उत्पादों के लिए जानी जाती है। सत्र 2022-23 एवं 2023-24 बीमा उद्योग के लिए विशेष रहे, क्योंकि कोविड-19 महामारी के बाद उपभोक्ता व्यवहार, निवेश पैटर्न और नियामकीय ढांचे में उल्लेखनीय परिवर्तन हुए। इस पृष्ठभूमि में LIC और BALIC के वित्तीय निष्पादन का तुलनात्मक अध्ययन प्रासंगिक है।

2. शोध के उद्देश्य

1. FY 2022-23 एवं 2023-24 में LIC और BALIC के वित्तीय प्रदर्शन की तुलना करना।
2. प्रमुख वित्तीय मापदंडों जैसे प्रीमियम आय, AUM, लाभ (PAT), VNB, Claim Settlement Ratio तथा Solvency Ratio का तुलनात्मक विश्लेषण।
3. सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र के बीमा व्यवसाय में रणनीतिक अंतर को पहचानना।
4. भविष्य हेतु नीतिगत सुझाव प्रस्तुत करना।

3. शोध पद्धति

- डेटा स्रोत: LIC और BALIC की वार्षिक रिपोर्ट्स, भारत सरकार, वित्तीय सेवा विभाग (DFS) की रिपोर्ट, IRDAI प्रकाशन, शोध पत्र (JETIR, ResearchGate)।
- विश्लेषण तकनीकें: वित्तीय अनुपात (Ratio Analysis), तुलनात्मक चार्ट (Bar chart, Line chart, Pie chart), गुणात्मक व मात्रात्मक व्याख्या।

4. साहित्य समीक्षा

1. शर्मा (2023) के अनुसार भारतीय जीवन बीमा निगम स्थिरता और ब्रांड मूल्य के कारण निजी कंपनियों की तुलना में भरोसेमंद माना जाता है, किन्तु निजी कंपनियाँ नवाचार और ग्राहक आकर्षण में आगे हैं।
2. गुप्ता और सिंह (2024) ने अपने अध्ययन में पाया कि FY 2023-24 में LIC की वृद्धि दर मात्र 0.23% रही जबकि निजी बीमा कंपनियों की वृद्धि 15.05% तक पहुँची।
3. ResearchGate (2023) पर प्रकाशित शोध से यह स्पष्ट होता है कि बीमा क्षेत्र में निजी कंपनियाँ लाभप्रदता और ग्राहक अनुभव सुधारने हेतु डिजिटल नवाचार पर अधिक ध्यान देती हैं
4. **डॉ राकेश कुमार एवं डॉ सुरेंदर सिंह (2022)** द्वारा प्रकाशित अध्ययन में भारतीय जीवन बीमा निगम)LIC) व निजी बीमा कंपनियों)PICs) के मध्य **प्रीमियम आय, नए व्यक्तिगत**

पॉलिसी निर्गमन, बाज़ार हिस्सेदारी और लाभ वितरण के संदर्भ में तुलनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है। यह अध्ययन व्यापक रूप से यह दर्शाता है कि निजी कंपनियाँ विवर्धन की दृष्टि से तेज़ी से उभर रही हैं। sachetas.in

5. **Nuvama Wealth Management (2024)** की रिपोर्ट के अनुसार, निजी बीमा कंपनियों ने व्यक्तिगत APE में **22.8% तक की वृद्धि** दर्ज की, जबकि LIC सिर्फ **1%** ही वृद्धि कर सकी। यह लंबी अवधि में निजी क्षेत्र की बढ़त को दर्शाता है।
6. **Reuters (नवंबर 2024)** की रिपोर्ट के अनुसार, Q2 में LIC का लाभ घटा (3.8%) लेकिन VNB मार्जिन और सॉल्वेंसी रेशियो में सुधार हुआ; यह प्रदर्शन में मिश्रित परिणाम दिखाता है।

5. वित्तीय आँकड़े

1. LIC की प्रीमियम आय)FY22-FY24)

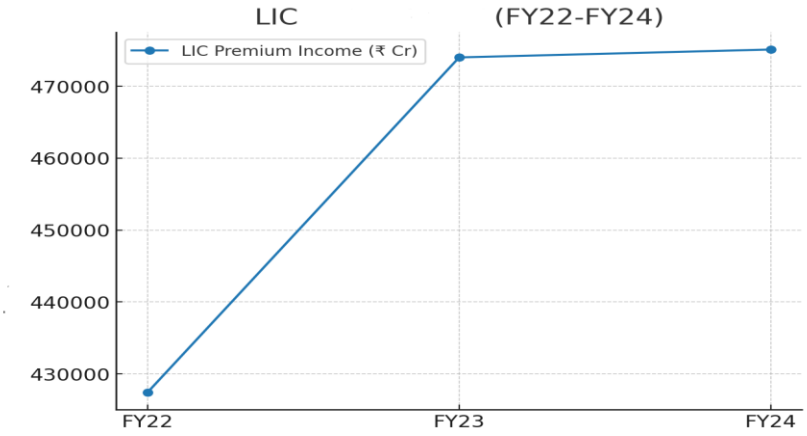

LIC FY 2022-23:

- प्रीमियम आय: ₹4,74,005 करोड़
- AUM: ₹43,97,205 करोड़
- PAT: ₹36,397 करोड़
- VNB Margin: 16.2%
- Claim Settlement Ratio: 98.52%

इस ग्राफ़ में भारतीय जीवन बीमा निगम (LIC) की प्रीमियम आय को तीन वित्तीय वर्षों (2021-22, 2022-23 और 2023-24) के संदर्भ में दर्शाया गया है।

वित्तीय वर्ष 2021-22 में एलआईसी ने ₹4,27,419 करोड़ का प्रीमियम संग्रह किया। इसके बाद वर्ष 2022-23 में इसमें लगभग **11% की वृद्धि** दर्ज की गई और यह ₹4,74,005 करोड़ तक पहुँच गया। लेकिन वर्ष 2023-24 में LIC की वृद्धि दर अत्यंत धीमी रही और कुल प्रीमियम आय केवल ₹4,75,100 करोड़ रही, जो पिछले वर्ष की तुलना में मात्र **0.23% वृद्धि** है। इससे यह स्पष्ट होता है कि सार्वजनिक क्षेत्र की प्रमुख कंपनी LIC का प्रीमियम संग्रह स्थिरता की ओर बढ़ रहा है, किंतु इसमें निजी क्षेत्र जैसी तेज़ वृद्धि देखने को नहीं मिल रही।

2. LIC बनाम निजी बीमाकर्ता प्रीमियम वृद्धि)FY24)

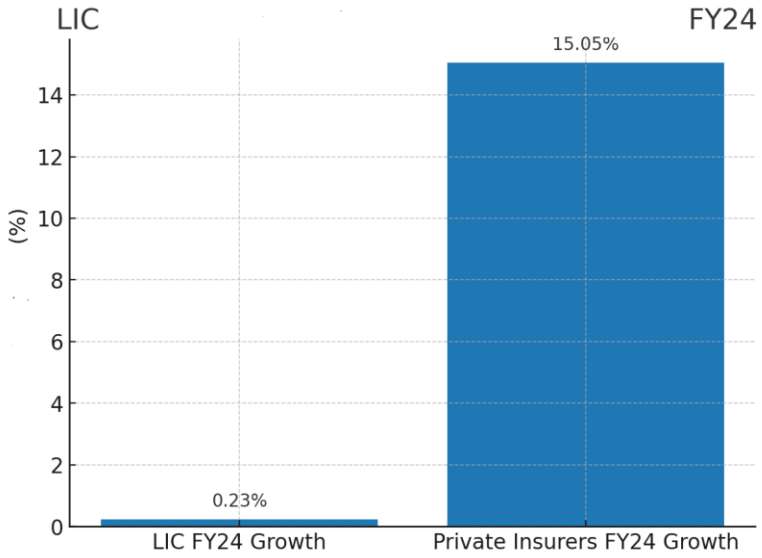

LIC FY 2023-24:

- उद्योग प्रीमियम आय: ₹8.3 लाख करोड़
- LIC वृद्धि: 0.23%
- निजी बीमाकर्ता वृद्धि: 15.05%

इस ग्राफ़ में वर्ष 2023-24 के दौरान LIC और निजी क्षेत्र की बीमा कंपनियों की प्रीमियम वृद्धि दर की तुलना की गई है। यहाँ पर LIC की वृद्धि दर केवल **0.23%** रही, जबकि निजी बीमा कंपनियों ने औसतन **15.05% की उच्च वृद्धि** दर्ज की। इस तुलना से यह स्पष्ट होता है कि निजी क्षेत्र की कंपनियाँ बदलते बाजार की मांग और ग्राहकों की आवश्यकताओं के अनुसार अधिक लचीली और प्रतिस्पर्धात्मक नीतियाँ बना रही हैं। वहीं, LIC पारंपरिक बीमा योजनाओं और व्यापक ग्राहक आधार पर निर्भर है, जिससे उसकी वृद्धि धीमी पड़ रही है।

3. AUM तुलना)LIC बनाम BALIC)

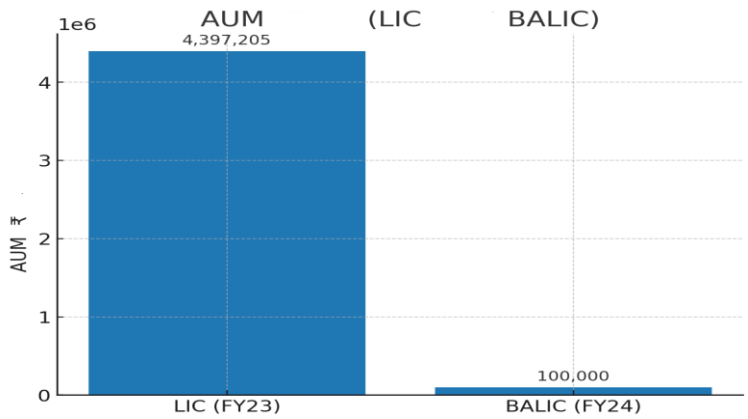

AUM: ₹1,00,000 करोड़

NBV: ₹1,000 करोड़

BALIC Life ACE उत्पाद योगदान: ₹1,350 करोड़

इस ग्राफ़ में दोनों कंपनियों की **एसेट अंडर मैनेजमेंट (AUM)** की तुलना दर्शाई गई है।वित्तीय वर्ष 2022-23 में LIC का AUM लगभग **₹43,97,205 करोड़** रहा, जो देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी के रूप में इसकी वित्तीय ताकत को दर्शाता है। इसके विपरीत, बजाज आलियांज लाइफ इंश्योरेंस (BALIC) का AUM वर्ष 2023-24 में मात्र **₹1,00,000 करोड़** था। हालाँकि LIC का AUM आकार में बहुत बड़ा है, किंतु BALIC जैसी निजी कंपनियों का AUM तेजी से बढ़ रहा है, जो भविष्य में निजी क्षेत्र की क्षमता और प्रतिस्पर्धात्मक प्रभाव को उजागर करता है।

4. Solvency Ratio तुलना)LIC बनाम BALIC)

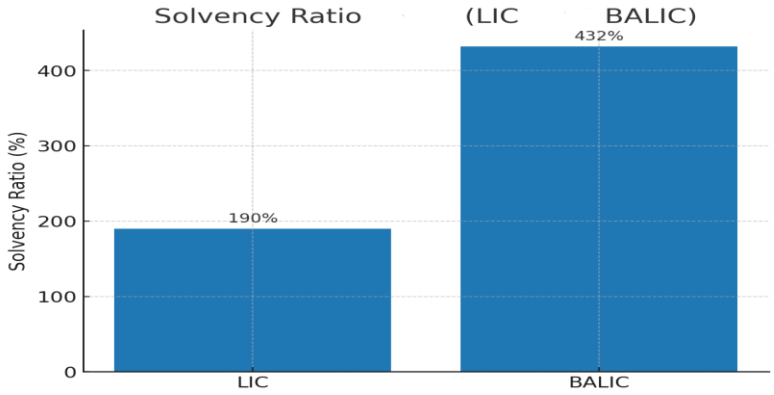

BALIC FY 2023-24:

Solvency Ratio: 432%

इस ग्राफ़ में LIC और BALIC के **सॉल्वेंसी रेशियो** की तुलना की गई है। LIC का सॉल्वेंसी रेशियो लगभग **190%** है, जो नियामक IRDAI द्वारा निर्धारित न्यूनतम आवश्यक सीमा (150%) से ऊपर है, परंतु अपेक्षाकृत संतुलित स्तर पर है। इसके विपरीत, BALIC का सॉल्वेंसी रेशियो **432%** है, जो यह दर्शाता है कि निजी क्षेत्र की यह कंपनी अपने जोखिम प्रबंधन, दायित्वों को पूरा करने की क्षमता और पूँजी संरचना के मामले में कहीं अधिक सुदृढ़ स्थिति में है। इससे यह निष्कर्ष निकलता है कि निजी कंपनियाँ अपेक्षाकृत लचीली और अधिक वित्तीय सुरक्षा प्रदान करने में सक्षम हैं, जबकि LIC अपनी विशाल संरचना और परंपरागत तरीकों के कारण स्थिर परंतु धीमी गति से आगे बढ़ रही है।

6. विश्लेषण एवं चर्चा

सार्वजनिक क्षेत्र की प्रमुख बीमा कंपनी **भारतीय जीवन बीमा निगम (LIC)** और निजी क्षेत्र की अग्रणी कंपनी **बजाज आलियांज लाइफ इंश्योरेंस (BALIC)** के वित्तीय प्रदर्शन का तुलनात्मक अध्ययन स्पष्ट करता है कि दोनों के बीच वृद्धि की प्रकृति और रणनीति में मौलिक अंतर है।

प्रीमियम आय के परिप्रेक्ष्य में

एलआईसी का प्रीमियम संग्रह आकार की दृष्टि से बहुत विशाल है, किंतु वित्तीय वर्ष 2022-23 और 2023-24 के बीच इसकी वृद्धि दर **लगभग स्थिर (0.23%)** रही। इसके विपरीत, निजी क्षेत्र की कंपनियों ने औसतन **15.05% की तीव्र वृद्धि** दर्ज की। यह अंतर बताता है कि जहाँ एलआईसी अपने मौजूदा ग्राहक आधार और परंपरागत नीतियों पर केंद्रित है, वहीं निजी कंपनियाँ बाजार में नई उत्पाद-रणनीतियों और ग्राहक-केंद्रित सेवाओं के माध्यम से तेज़ी से विस्तार कर रही हैं।

एसेट अंडर मैनेजमेंट)AUM) की स्थिति

एयूएम के संदर्भ में एलआईसी का दबदबा निर्विवाद है। इसके पास ₹43,97,205 करोड़ का AUM है, जो इसकी ऐतिहासिक प्रतिष्ठा और व्यापक बाजार हिस्सेदारी को दर्शाता है। वहीं BALIC का AUM अपेक्षाकृत छोटा (₹1,00,000 करोड़) होने के बावजूद, निजी क्षेत्र की कंपनियों का एयूएम **तेज़ी से बढ़ने की प्रवृत्ति** दर्शा रहा है। इसका अर्थ यह है कि आने वाले वर्षों में निजी क्षेत्र की बीमा कंपनियाँ निवेश प्रबंधन और पूँजी निर्माण में अपनी हिस्सेदारी को और मज़बूत कर सकती हैं।

वित्तीय सुदृढ़ता)Solvency Ratio)

LIC और BALIC के सॉल्वेंसी रेशियो की तुलना एक रोचक स्थिति प्रस्तुत करती है। LIC का सॉल्वेंसी रेशियो 190% है, जो नियामक सीमा (150%) से ऊपर है, परंतु अपेक्षाकृत संतुलित स्तर पर है। वहीं BALIC का सॉल्वेंसी रेशियो 432% है, जो इसकी उच्च पूँजीगत सुरक्षा और जोखिम प्रबंधन क्षमता को दर्शाता है। इसका सीधा अर्थ है कि निजी क्षेत्र की कंपनियाँ पूँजी पर्याप्तता और भविष्य की देनदारियों को पूरा करने की क्षमता के मामले में कहीं अधिक सुरक्षित स्थिति में हैं।

7. निष्कर्ष एवं सुझाव

FY 2022-23 में LIC का प्रदर्शन अत्यंत मजबूत रहा, लेकिन FY 2023-24 में इसकी वृद्धि दर सीमित रही। निजी क्षेत्र की कंपनियाँ, विशेषकर BALIC, ने उच्च Solvency और उत्पाद नवाचार से बेहतर प्रदर्शन किया। **LIC आकार और ग्राहक विश्वास** के कारण अब भी बीमा क्षेत्र की सबसे बड़ी कंपनी है, किंतु इसकी वृद्धि दर स्थिर और सीमित होती जा रही है।**निजी बीमा कंपनियाँ**, विशेषकर BALIC जैसी, छोटे आकार के बावजूद **तेज़ वृद्धि दर, उच्च सॉल्वेंसी रेशियो और ग्राहककेंद्रित रणनीतियों-** के बल पर भविष्य में प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त हासिल कर सकती हैं।आने वाले समय में बीमा क्षेत्र का परिदृश्य की प्रतिस्पर्धा के रूप "आकार बनाम दक्षता" में सामने आ सकता है– जहाँ LIC अपने बड़े पैमाने और पारंपरिक मजबूती पर निर्भर रहेगा, वहीं निजी कंपनियाँ नवाचार और वित्तीय सुदृढ़ता के माध्यम से बाजार हिस्सेदारी बढ़ाएँगी।निजी कंपनियों को ग्राहक विश्वास और स्थिरता बनाए रखने की चुनौती है। सरकार व IRDAI को प्रतिस्पर्धी संतुलन हेतु नीतिगत सहयोग देना चाहिए।

8. संदर्भ सूची

1. वित्त मंत्रालय, वित्तीय सेवा विभाग (2024-25). *वार्षिक प्रतिवेदन.* नई दिल्ली: भारत सरकार।
2. भारतीय जीवन बीमा निगम (LIC) (2022-23). *वार्षिक प्रतिवेदन एवं निवेशक प्रस्तुति.* मुंबई: एलआईसी मुख्यालय।
3. बजाज आलियांज लाइफ़ इंश्योरेंस (BALIC) (2023-24). *वार्षिक प्रतिवेदन एवं तथ्य पत्रक.* पुणे: BALIC कॉर्पोरेट कार्यालय।
4. रिसर्चगेट (2023). *भारत में जीवन बीमा कंपनियों का तुलनात्मक विश्लेषण.* उपलब्ध: https://www.researchgate.net
5. जेटिर (JETIR) (2024). *भारतीय जीवन बीमा निगम एवं निजी बीमा कंपनियों का तुलनात्मक अध्ययन.* उपलब्ध: https://www.jetir.org
6. भारतीय बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण (IRDAI). *वार्षिक प्रतिवेदन.* हैदराबाद: आईआरडीएआई।

7. कुमार, राकेश एवं सिंह, सुरेन्द्र (2022). भारतीय जीवन बीमा निगम (LIC) एवं निजी बीमा कंपनियों के मध्य प्रीमियम आय, नए व्यक्तिगत पॉलिसी निर्गमन, बाज़ार हिस्सेदारी और लाभ वितरण का तुलनात्मक अध्ययन। *सचेतस जर्नल.* प्राप्त किया गया: https://www.sachetas.in
8. नुवामा वेल्थ मैनेजमेंट (2024). निजी बीमा कंपनियों ने व्यक्तिगत APE में 22.8% वृद्धि दर्ज की जबकि LIC केवल 1% वृद्धि कर सका। *इकनॉमिक टाइम्स – BFSI.* प्राप्त किया गया: https://bfsi.economictimes.indiatimes.com
9. रायटर्स (2024, नवम्बर). जीवन बीमा निगम (LIC) का दूसरी तिमाही का लाभ 3.8% घटा, परन्तु VNB मार्जिन और सॉल्वेंसी रेशियो में सुधार दर्ज हुआ। *रायटर्स न्यूज़.* प्राप्त किया गया: https://www.reuters.com

IJMRR